भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या - 183
सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक)

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की कमी

*183. श्री जयन्त बसुमतारी:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की कमी है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है;
- (ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान संस्वीकृत और जारी की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

‘बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की कमी’ के संबंध में दिनांक 09.12.2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *183 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संदर्भित विवरण

(क) से (ख) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत सरकार के कुशल भारत मिशन (एसआईएम) के तहत विभिन्न योजनाओं अर्थात् प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआइज) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के द्वारा कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र सहित देश भर में कौशल, पुनःकौशल तथा कौशलोनयन प्रदान करता है। कुशल भारत मिशन का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य तथा उद्योग के लिए तैयार कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

वर्तमान में, बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में, तीन आईटीआइज तथा पाँच पीएमकेवीवाई केंद्र संचालन में हैं जबकि एनएपीएस के तहत 136 प्रतिष्ठान कार्यरत हैं और शिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

विगत तीन शैक्षणिक सत्रों में, अर्थात् 2021-2022 से 2023-2024 तक बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में कुल 444 अभ्यर्थियों को आईटीआइज में प्रशिक्षित किया गया है, पीएमकेवीवाई योजना के तहत 10,943 व्यक्तियों ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है तथा एनएपीएस के अंतर्गत 1,549 प्रशिक्षणार्थियों को नियुक्त किया गया है।

(ग) आईटीआइज की स्थापना और प्रशासन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का विषय है और जब भी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से नए आईटीआइज की स्थापना हेतु प्रस्ताव प्राप्त होते हैं तो इसकी जांच की जाती है तथा संबद्धता मानकों एवं मानदंडों के अनुसार संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया जाता है।

विगत तीन वर्षों में अर्थात् वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2023-24 तक, बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में आईटीआई खोलने के लिए कोई भी प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। इसी अवधि के दौरान, वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2023-24 तक बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में शिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एनएपीएस के तहत 101 नए प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया गया है और अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु 137 पीएमकेवीवाई केंद्रों को शामिल किए गए हैं।

एमएसडीई विश्व बैंक के वित्तीय सहायता से आजीविका संवर्धन हेतु कौशल उपार्जन तथा ज्ञान जागरुकता (संकल्प) योजना को भी कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य संस्थानों को सुदृढ़ कर, बाजार संयोजन में सुधार करके तथा समाज के वंचित वर्ग को समाहित करते हुए अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और स्तर में बढ़ोत्तरी करना है।

संकल्प योजना के तहत, उद्यमशीलता तथा कौशल विकास हेतु पहल लागू की गई है जिसके तहत बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में 1,949 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।

(घ) विगत तीन वर्षों में अर्थात् वित्त वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के लिए जारी निधि का विवरण निम्नानुसार है:-

- बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र हेतु पीएमकेवीवाई के केंद्रीय प्रायोजित केंद्रीय प्रबंधित संघटक के तहत 17 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है;
- बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के लिए एनएपीएस के तहत 44.89 लाख रुपए की राशि जारी की गई है।